



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 364]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 19, 2006/चैत्र 29, 1928

No. 364]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 19, 2006/CHAITRA 29, 1928

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 2006

का आ. 553(अ).—केन्द्रीय सरकार ने संयुक्त राज्य अमरीका की सरकार के साथ संयुक्त राज्य अमरीका में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में समन या वारंट की तामील या उसके निष्पादन के लिए समझौता किया है और अतः केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105 की उप-धारा (1) के खंड (ii) के अनुसरण में यह निदेश करती है कि —

(क) किसी अभियुक्त व्यक्ति के नाम समन, या

(ख) किसी अभियुक्त व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए वारंट, या

(ग) किसी व्यक्ति से यह अपेक्षा करने वाला ऐसा कोई समन कि वह हाजिर हो और कोई

दस्तावेज या अन्य चीज पेश करे अथवा उसे पेश करे, या

(घ) तलाशी वारंट

भारत में किसी न्यायालय द्वारा दो प्रतियों में उस देश में प्रवृत्त विधि के अधीन प्राधिकार रखने वाले न्यायालय, न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट को संयुक्त राज्य अमरीका में केन्द्रीय प्राधिकारी के माध्यम से उस न्यायालय, न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट को यह निदेश देते हुए भेजा जा सकेगा कि वह ऐसे समन की तामील या ऐसे वारंट का निष्पादन उसमें नामित व्यक्ति पर करे।

2. केन्द्रीय सरकार यह और निदेश देती है कि ऐसा समन या वारंट संयुक्त राज्य अमरीका के केन्द्रीय प्राधिकारी को भेजे जाने के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजा जाएगा।

[फा. सं. 2/1/2006-न्या. सेल (i)]

डा. पी. के. सेठ, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th April, 2006

S.O. 553(E)—Whereas arrangements have been made by the

Central Government with the Government of the United States of America for service or execution of summons or warrant in relation to criminal matters, on any person in the United States of America, and therefore, in pursuance of clause (ii) of sub-section (1) of section 105 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby directs that -

- (a) a summons to an accused person, or
- (b) a warrant for the arrest of an accused person, or
- (c) a summons to any person requiring him to attend and produce document or other thing, or to produce it, or
- (d) a search - warrant,

may be issued by a Court in India in duplicate, to the Court, Judge or Magistrate having authority, under the law in force in that country, through the Central authority in the United States of America directing that Court, Judge or Magistrate to serve such summons or execute such warrant on the person named therein.

2. The Central Government further directs that such summons or warrant shall be sent to the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi for transmission to the Central authority in the United States of America.

(F. No. 2/1/2006-Judl Cell(I))

Dr. P. K. SETH, Jt. Secy

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 2006

का.आ. 554(अ).—केन्द्रीय सरकार ने संयुक्त राज्य अमरीका की सरकार के साथ संयुक्त राज्य अमरीका में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में समन या वारंट की तामील या उसके निष्पादन के लिए समझौता किया है अतः केन्द्रीय सरकार, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105ख की उपधारा (1) के अनुसरण में, यह निदेश देती है कि किसी आपराधिक मामले में अन्वेषण या जांच के दौरान किसी व्यक्ति की हाजिरी के लिए संयुक्त राज्य अमरीका में किसी स्थान पर तामील या निष्पादित किए जाने वाले, यथास्थिति, समन या वारंट, इससे उपाबद्ध, यथास्थिति, प्ररूप 'क' या प्ररूप 'ख' में जारी किए जाएंगे और ऐसे समन या वारंट संयुक्त राज्य अमरीका में केन्द्रीय प्राधिकारी को पारेषित किए जाने के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे।

प्ररूप-क**साक्षी को समन**

(दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 105ख की उपधारा (2) देखिए)

प्रेषिती,

.....
.....

(संयुक्त राज्य अमरीका में केन्द्रीय प्राधिकारी के माध्यम से)

मेरे समक्ष यह परिवाद किया गया है कि.....(अभियुक्त का नाम) (पता)
..... ने.....(समय और स्थान सहित अपराध का संक्षेप में उल्लेख कीजिए) का अपराध किया है (या संदेह है कि) उसने अपराध किया है, और मुझे यह प्रतीत होता है कि यह संभावना है कि आप अभियोजन के लिए तात्त्विक साक्ष्य दे सकते हैं या कोई दस्तावेज या अन्या चीज पेश कर सकते हैं ;

इसके द्वारा आपको सम्मन किया जाता है कि ऐसा दस्तावेज या चीज पेश करने या उक्त आवेदन के विषय से संबंधित आप जो कुछ जानते हैं कि उसका साक्ष्य देने के लिए न्यायालय के समक्ष तारीख.....को पूर्वाह्न /अपराह्न में हाजिर हों और उसके पश्चात् न्यायालय के आदेश के बिना न जाएं, और आपको इसके द्वारा चेतावनी दी जाती है कि यदि आप उक्त तारीख

को न्यायसंगत हेतुक के बिना हाजिर होने में उपेक्षा करेंगे या उससे इंकार करेंगे, तो आपको हाजिर कराने के लिए वारंट जारी किया जाएगा ।

तारीख.....200... को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा के अधीन प्रदत्त किया गया ।

न्यायालय की मुद्रा

न्यायाधीश/मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर

प्ररूप ख

साक्षी को लाने के लिए वारंट

(दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 105ख की उपधारा (2) देखिए)

प्रेषिती

संयुक्त राज्य अमेरिका में न्यायालय/न्यायाधीश/मजिस्ट्रेट,
(संयुक्त राज्य अमेरिका में केन्द्रीय प्राधिकारी के माध्यम से)

मेरे समक्ष आवेदन किया गया है कि.....(अभियुक्त का नाम और वर्णन).....(पता) ने.....
(समय और स्थान सहित अपराध का संक्षिप्त में उल्लेख कीजिए) का अपराध किया है या संदेह है कि उसने किया है, और मुझे यह प्रतीत होता है कि यह संभावना है कि.....(साक्षी का नाम और वर्णन) अभिवोजन के लिए तात्त्विक साक्ष्य देगा या कोई दस्तावेज या अन्य चीज पेश करेगा और उक्त साक्षी आपकी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर निवास कर रहा है और मेरे पास विश्वास करने का ठोस और पर्याप्त कारण है कि वह उक्त मामले के अन्वेषण या जांच में जब तक हाजिर नहीं होगा तब तक कि उसे ऐसा करने के लिए विवश न किया जाए ;

मुझे.....यह अनुरोध करता है और इसके द्वारा मैं यह अनुरोध करता हूँ कि उपर्युक्त कारणों से और उक्त न्यायालय की सहायता के लिए आप उक्त.....(व्यक्ति का नाम) को गिरफ्तार कराएंगे और गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी की अभिरक्षा में भेजेंगे ।

तारीख.....200... को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा के अधीन प्रदत्त किया गया ।

न्यायालय की मुद्रा

न्यायाधीश/मजिस्ट्रेट

[फा. सं. 2/1/2006-न्या. सेल (ii)]

डा. पी. के. सेठ, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th April, 2006

S.O. 554(E).—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of the United States of America for services or execution of summons or warrant in relation to criminal matters on any person in the United States of America, and therefore, in pursuance of sub-section (2) of section 105B of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby directs that a summons or warrant, as the case may be, for attendance of a person during the investigation or inquiry in any criminal case, to be served or executed in any place in the United States of America shall be issued in Form A or Form B annexed hereto, as the case may be, and such summons or warrant shall be sent to the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi for transmission to the Central Authority in the United States of America.

FORM A

SUMMONS TO WITNESS

[See sub-section (2) of section 105B of the Code of
Criminal Procedure, 1973]

To

(Through the Central Authority in the United States of America)

Whereas an application has been made before me that (Name of the accused) of (address) has (or is suspected to have) committed the offence of (state the offence concisely with time and place) and it appears to me that you are likely to give material evidence or to produce any document or other thing for the prosecution;

You are hereby summoned to appear before the Court on the -----day of -----next at -----AM/PM to produce such document or thing or to

testify what you know concerning the matter of the said application, and not to depart then without the order of the Court, and you are hereby warned that, if you shall without just cause neglect or refuse to appear on the said date, a warrant will be issued to compel your attendance.

Given under my hand and the seal of the Court this -----day of -----200 .

Seal of the Court

Signature of the
Judge/Magistrate

FORM - B

WARRANT TO BRING UP A WITNESS

[See sub-section (2) of section 105B of the
Code of Criminal Procedure, 1973]

To

The Court /Judge/Magistrate in the United States of
America,

(Through the Central Authority in the United States of America)

Whereas an application has been made before me that, -----(name and description of the accused)-----of (address) has (or is suspected to have) committed an offence of -----(state the offence concisely with time and place) and it appears to me that -----(name and description of witness) is likely to give material evidence or to produce any document or other thing for the prosecution; and whereas, the said witness is residing within the local limits of your jurisdiction; and whereas, I have good and sufficient reason to believe that he/she will not attend the investigation or inquiry of the said case unless compelled to do so;

I,-----, have the honour to request and hereby do request that for the reasons aforesaid and for the assistance of the said Court, you will be pleased to cause the said ----- (name of person) to be arrested and to forward him/her in custody to the undersigned, through the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi.

Given under my hand and the seal of the Court this-----day of --

-----200

Seal of the Court

Signature of the
Judge/Magistrate

[F. No. 2/1/2006-Judl. Cell (ii)]

Dr. P. K. SETH, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 2006

का.आ. 555(अ).—केन्द्रीय सरकार ने संयुक्त राज्य अमरीका की सरकार के साथ संयुक्त राज्य अमरीका में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में समन या वारंट की तामील या उसके निष्पादन के लिए समझौता किया है अतः केन्द्रीय सरकार, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105ख की उपधारा (1) के अनुसरण में, यह निदेश देती है कि भारत में किसी न्यायालय का किसी व्यक्ति को हाजिर करने या कोई दस्तावेज या अन्य चीज पेश करने के लिए गिरफ्तारी के लिए संयुक्त राज्य अमरीका के किसी स्थान में निष्पादित किया जाने वाला वारंट इससे उपाबद्ध प्ररूप में जारी किया जाएगा और ऐसा वारंट दो प्रतियों में गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को संयुक्त राज्य अमरीका में केन्द्रीय प्राधिकारी को अग्रेषित किए जाने के लिए भेजा जाएगा।

प्ररूप

(साक्षी को लाने के लिए वारंट)

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 105ख देखिए

प्रेषिती,

संयुक्त राज्य अमरीका में न्यायालय/न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट
(संयुक्त राज्य अमरीका के केन्द्रीय प्राधिकारी के माध्यम से)

मेरे समक्ष यह परिवाद किया गया है कि.....(पता) के.....
 (अभियुक्त का नाम और वर्णन) ने.....(अपराध का संक्षेप में उल्लेख कीजिए)
 का अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और यह संभावना प्रतीत होती है
 कि.....(साक्षी का नाम और वर्णन) उक्त परिवाद से संबंधित साक्ष्य दे सकता है ;
 और यह प्रतीत होता है कि उक्त साक्षी आपकी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर निवास
 कर रहा है ;

और मेरे पास यह विश्वास करने का ठोस और पर्याप्त कारण है कि वह तब तक हाजिर
 नहीं होगा/होगी या निम्नलिखित दस्तावेज या अन्य चीजें पेश नहीं करेगा/करेगी जब तक कि उसे
 ऐसा करने के लिए विवश न किया जाए :

(i) (यहां उन दस्तावेजों या चीजों की सूची दें जो पेश की जानी हैं)

मुझे.....को, यह अनुरोध करना है और इसके द्वारा मैं यह अनुरोध करता हूँ कि
 उपर्युक्त कारणों से और उक्त न्यायालय की सहायता के लिए आप उक्त (साक्षी का नाम) को
 गिरफ्तार कराएंगे और ऐसे व्यक्ति से उपरोक्त सूचीबद्ध दस्तावेज या चीज जो उसके कब्जे में हैं,
 पेश करने की अपेक्षा भी करेंगे तथा उस व्यक्ति को अभिरक्षा में लिए गए दस्तावेजों या चीजों सहित
 गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी के पास भेजेंगे ।
 तारीख.....2006 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा के अधीन प्रदत्त किया गया ।

न्यायालय की मुद्रा

न्यायाधीश/मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर

[फा. सं. 2/1/2006-न्या. सेल (iii)]

डा. पी. के. सेट, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th April, 2006

S.O. 555(E).—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of the United States of America for services or execution of summons or warrant in relation to criminal matters on any person in the United States of America, and therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 105B of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central

Government hereby directs that a warrant from a Court in India for arrest of a person to attend or produce a document or other thing, to be executed in any place in the United States of America shall be issued in the Form annexed hereto and that such warrant shall be sent in duplicate to the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi for transmission to the Central Authority in the United States of America.

FORM

WARRANT TO BRING UP A WITNESS

See section 105B of the Code of
Criminal Procedure, 1973

To

The Court/Judge or Magistrate
in the Government of the United States of America.
(Through the Central Authority, the United States of America)

Whereas complaint has been made before me that (name and description of the accused) of (address) has (or is suspected to have) committed an offence of (mention the offence concisely), and it appears to me that (name and description of witness) is likely to give evidence concerning the said complaint; and, whereas, it appears that the said witness is residing within the local limits of your jurisdiction;

And whereas, I have good and sufficient reason to believe that he/she will not attend or produce the following documents or other things unless compelled

to do so:

116361/2006—2

(i) (Here give the list of documents or things to be produced)

I,-----, have the honour to request and hereby do request that for the reasons aforesaid and for the assistance of the said Court, you will be pleased to cause the said (Name of the witness) to be arrested and also require such person to produce the document or thing listed above, which may be in his/her possession and to forward the person in custody alongwith the documents or things to the undersigned through the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi.

Given under my hand and the seal of the Court this----- day of -----

200 .

Seal of the Court

Signature of the
Judge/Magistrate

[F. No. 2/1/2006-Judl. Cell (iii)]

Dr P. K. SETH, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 2006

का.आ. 556(अ).—केन्द्रीय सरकार ने संयुक्त राज्य अमरीका की सरकार के साथ संयुक्त राज्य अमरीका में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में समन या वारंट की तामील या उनके निष्पादन के लिए समझौता किया है, अतः अब केन्द्रीय सरकार दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105 की उपधारा (2) के अनुसरण में संयुक्त राज्य अमरीका के ऐसे सक्षम न्यायालय, न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट को, जिसे उस देश में प्रवृत्त विधि के अधीन किसी अभियुक्त व्यक्ति को समन या किसी अभियुक्त व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए वारंट या किसी व्यक्ति के हाजिर होने और कोई दस्तावेज या अन्य चीज पेश करने अथवा उसे पेश करने की अपेक्षा करने वाला समन जारी करने के लिए प्राधिकार है, ऐसे न्यायालय के रूप में विनिर्दिष्ट करती है, जो आपराधिक मामलों के संबंध में भारत में निवास कर रहे व्यक्तियों को समन जारी कर सकेगा।

2. केन्द्रीय सरकार यह और निदेश देती है कि ऐसी दशा में जहां संयुक्त राज्य अमरीका की सरकार से प्राप्त समन या तलाशी वारंट का निष्पादन किया गया है, वहां पेश किए गए दस्तावेज और चीजें या तलाशी के दौरान मिली चीजें, समन या तलाशी वारंट जारी करने वाले न्यायालय को पारेषित किए जाने के लिए संयुक्त राज्य अमरीका में केन्द्रीय प्राधिकारी को गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से भेजी जाएंगी।

[फा. सं. 2/1/2006-न्या. सेल (iv)]

डा. पी. के. सेठ, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th April, 2006

S.O. 556(E).—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of the United States of America for services or execution of summons or warrant in relation to criminal matters on any person in the United States of America, and therefore, in pursuance of sub-section (2) of section 105 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies competent Court, Judge or Magistrate in the United States of America having authority, under the law in force in that country, to issue a summons to an accused person, or a warrant for the arrest of an accused person, or summons to any person requiring him to attend and produce a document or other thing, or to produce it, as the Court by which such summons or warrant may be issued to persons residing in India in relation to criminal matters.

2. The Central Government further directs that in a case where a summons or a search warrant received from the Government of United States of America has been executed, the documents or things produced or things found in the search shall be forwarded to the Court issuing the summons or search warrant through the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi, for transmission to the Central Authority in the United States of America.

[F No. 2/1/2006-Judl. Cell (iv)]

Dr P. K. SETH, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 2006

क्रा.आ. 557(अ).—केन्द्रीय सरकार ने संयुक्त राज्य अमरीका की सरकार के साथ भारत के न्यायालयों में आपराधिक मामलों के संबन्ध में संयुक्त राज्य अमरीका में निवास कर रहे साक्षियों का साक्ष्य लेने के लिए समझौता किया है, अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 285 की उपधारा (3) के अनुसरण में निदेश देती है कि

(क) संयुक्त राज्य अमरीका में साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन भारत के न्यायालयों द्वारा इससे उपाबद्ध प्ररूप में संयुक्त राज्य अमरीका के किसी सक्षम दण्ड न्यायालय को, जिसे संयुक्त राज्य अमरीका में प्रवृत्त विधि के अधीन प्राधिकार प्राप्त है, जारी किया जाएगा ; और

(ख) ऐसा कमीशन संयुक्त राज्य अमरीका में केन्द्रीय प्राधिकारी को पारेषित किए जाने के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजा जाएगा ।

प्ररूप

भारत से बाहर साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन
(दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 285 की उपधारा (3) देखिए)

न्यायालय.....

प्रेषिती

(गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से)

मुझे यह प्रतीत होता है कि न्यायालय मामला संख्या.....
.....बनाम.....में.....का साक्ष्य न्याय के उद्देश्य के लिए आवश्यक है और ऐसा साक्षी
आपकी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर निवास कर रहा है तथा उसकी हाजिरी
अयुक्तियुक्त विलम्ब, व्यय या असुविधा के बिना उपाप्त नहीं की जा सकती, अतः
मैं.....आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप उपरोक्त कारणों से और उक्त न्यायालय की
सहायता के लिए उक्त साक्षी को ऐसे समय और स्थान पर, जो आप नियत करें, हाजिर होने के
समय और ऐसे साक्षियों की परीक्षा उक्त परिश्रमों (मौखिक परीक्षा के लिए) के आधार पर
करवाए जो इस कमीशन के साथ भेजे जा रहे हैं ।

कार्यवाही का कोई पक्षकार आपके समक्ष अपने काउन्सेल या अभिकर्ता के माध्यम से या यदि अभिरक्षा में नहीं है तो व्यक्तिगत रूप में हाजिर हो सकेगा और उक्त साक्षी की (यथास्थिति), परीक्षा, प्रतिपरीक्षा, पुनःपरीक्षा कर सकेगा ;

और मैं आपसे यह भी अनुरोध करता हूँ कि आप उक्त साक्षी के उत्तरों को लेखबद्ध कराएं और ऐसी सभी बहियों, पत्रों, कागजों और दस्तावेजों को, जो ऐसी परीक्षा के दौरान पेश किए जाएं, पहचान के लिए सम्यक् रूप से चिह्नित कराएं और आपसे यह भी अनुरोध करता हूँ कि आप ऐसी परीक्षा को अपनी सरकारी मुद्रा और अपने हस्ताक्षर द्वारा अधिप्रमाणित करें और उसे इस कमीशन के साथ अधोहस्ताक्षरी को गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से भेजें ।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख.....2006 को प्रदत्त किया गया ।

न्यायालय की मुद्रा

न्यायाधीश/मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर

[फा. सं. 2/1/2006-न्या. सेल (१)]

डा. पी. के. सेट, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th April, 2006

S.O. 557(E).—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of the United States of America for taking the evidence of witnesses residing in the United States of America in relation to criminal matters in Courts in India, and, therefore, in pursuance of sub-section (3) of section 285 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby directs that -

- (a) Commission for examination of witnesses in the United States of America shall be issued by the Courts in India in the Form annexed hereto, to any competent Criminal Court of the United States of America having authority under the law in force in the United States of America; and

(b) such Commission shall be sent to the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi, for transmission to the Central Authority in the United States of America.

FORM

COMMISSION TO EXAMINE WITNESS OUTSIDE INDIA

[See sub-section (3) of section 285 of the Code of Criminal Procedure, 1973]

IN THE COURT OF -----

To

-----,
(Through the Ministry of Home Affairs,
Government of India,
New Delhi.)

Whereas it appears to me that the evidence of ----- is necessary for the ends of justice in case No.-----, ----- Vs.----- in the Court of-----and that such witness is residing within the local limits of your jurisdiction and his/her attendance cannot be procured without unreasonable delay, expense or inconvenience, I, have the honour to request and do hereby request that for the reasons aforesaid and for the assistance of the said Court, you will be pleased to summon the said witness to attend at such time and place as you shall appoint and that you will cause such witness to be examined upon the interrogatories which accompany this Commission (for viva voce).

Any party to the proceeding may appear before you by his/her Counsel or agent or, if not in custody, in person, and may examine, cross-examine or re-examine (as the case may be) the said witness;

And, I, further have the honour to request that you will be pleased to cause the answers of the said witness to be reduced into writing and all books, letters, papers and documents produced upon such examination to be duly marked for identification and that you will be further pleased to authenticate such examination by your official seal and signature and to return the same together with this Commission to the undersigned through the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi.

Given under my hand and the seal of the Court this ----- day of-----
-----200

Seal of the Court

Signature of the
Judge/Magistrate

[H. No. 2/1/2006-Judl. Cell (v)]

Dr. P. K. SETH, Jt. Secy.

अधिवक्ता

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 2006

का.आ. 558(अ).—केन्द्रीय सरकार ने संयुक्त राज्य अमरीका की सरकार के साथ संयुक्त राज्य अमरीका में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में समन या वारंट की तामील या उनके निष्पादन के लिए समझौता किया है, अतः अब केन्द्रीय सरकार, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 290 की उपधारा (2) के खंड (ख) के अनुसरण में संयुक्त राज्य अमरीका में अधिकारिता का प्रयोग करने वाले ऐसे सभी न्यायालयों, न्यायाधीशों, या मजिस्ट्रेटों को जिन्हें संयुक्त राज्य अमरीका में प्रवृत्त विधि के अधीन प्राधिकार प्राप्त है, ऐसे न्यायालयों के रूप में विनिर्दिष्ट करती है, जिनके द्वारा भारत में निवास कर रहे साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन जारी किया जा सकेगा।

[फा. सं. 2/1/2006-न्या. सेल (vi)]

डा. पी. के. सेठ, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th April, 2006

S.O. 558(E).—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of the United States of America for service or execution of summons or warrant in relation to criminal matters on any person in the United States of America and therefore, in pursuance of clause (b) of sub-section (2) of section 290 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies all Courts, Judges or Magistrates exercising jurisdiction in the United States of America having authority, under the law in force in the United States of America as the Courts by whom Commission for the examination of witnesses residing in India may be issued.

[F. No. 241/2006-Judl. Cell (vi)]

Dr. P. K. SETH, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 2006

का.आ. 559(अ).—केन्द्रीय सरकार ने संयुक्त राज्य अमरीका की सरकार के साथ संयुक्त राज्य अमरीका में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में समन या वारंट की तामील या उनके निष्पादन के लिए समझौता किया है, अतः, केन्द्रीय सरकार, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105ठ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त संहिता के अध्याय 7क के उपबंध संयुक्त राज्य अमरीका के संबंध में बिना किसी शर्त, अपवाद या प्रतिबंध के इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

[फा. सं. 2/1/2006-न्या. सेल (vii)]

डा. पी. के. सेठ, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th April, 2006

S.O. 559(E).—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of the United States of America for service or execution of summons or warrant in relation to criminal matters on any person in the United States of America and, therefore, in exercise of the powers conferred by section 105L of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby directs that the provisions of Chapter VIIA of the said Code shall apply without any condition, exception or qualification in relation to the United States of America with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. 2/1/2006-Judl. Cell (vii)]

Dr. P. K. SETH, Jt. Secy.